

पाठ से—

प्रश्न 1. शेरशाह के जनहित के लिए कौन-कौन से कार्य किए ?

उत्तर—शेरशाह ने अपने छोटे से शासनकाल में जनहित के लिये अनेक कार्य किये। इनके जनहित के कार्यों में महत्वपूर्ण था—सड़कों का निर्माण, मुसाफिरों के ठहरे के लिये जगह-जगह सरायों का बनवाया जाना, कुएँ खुदवाकर पानी की व्यवस्था, सड़क के किनारे वृक्ष लगवाना, डाक व्यवस्था का उचित प्रबंध तथा राजस्व एवं लगान की व्यवस्था में सुधार। कलकत्ता से पेशावर तक जाने वाला ग्रैंड ट्रंक रोड शेरशाह की ही देन है।

प्रश्न 2. शेरशाह ने मकबरे की क्या विशेषता है ?

उत्तर—शेरशाह के मकबरे की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सुन्दरता है। इसका गुंबद ताजमहल के गुंबद से भी बड़ा है और इसकी ऊँचाई 45 मीटर से ज्यादा है। तालाब के बीच, एक ऊँचे चबूतरे पर बने होने के कारण इसका सौंदर्य दूर से ही झलकता है। स्थापत्य कला का यह भवन एक बेजोड़ नमूना माना जाता है।

प्रश्न 3. शेरशाह का बिहार से क्या सम्बन्ध है ?

उत्तर—शेरशाह के पिता बिहार के जागीरदार थे। अतः शेरशाह का बचपन सासाराम में बीता जो बिहार में है। इनकी सेना में बिहार के बहुत सिपाही थे। इसी सेना ने मुगल बादशाह हुमायूँ को पराजित किया था। हुमायूँ का मकबरा बिहार राज्य में ही स्थित है।

प्रश्न 4. स्तंभ 'क' का स्तंभ 'ख' से मिलान कीजिए—

प्रश्नोत्तर—

स्तम्भ 'क'

स्तम्भ 'ख'

- | | |
|--------------------------------|-------------------------|
| 1. शेरशाह का जन्म | (क) इस्लाम शाह सूरी (5) |
| 2. शेरशाह के पिता | (ख) 1545 (4) |
| 3. कन्नौज में हुमायूँ से युद्ध | (ग) 1472 (1) |
| 4. शेरशाह की मृत्यु | (घ) हसन खाँ सूरी (2) |
| 5. शेरशाह का पुत्र | (ङ) 1540 (3) |

प्रश्न 5. रिक्त स्थानों को भरिए—

प्रश्नोत्तर—

(क) ग्रैंड ट्रंक रोड कोलकाता से पेशावर तक जाती है।

(ख) हुमायूँ से युद्ध के समय शेरशाह की उम्र 68 वर्ष की थी।

(ग) शेरशाह का मकबरा सासाराम में है।

(घ) शेरशाह के बचपन का नाम फरीद ख़ाँ था।

(ङ) यह मकबरा अफगान स्थापत्य शैली का बेहतरीन नमूना है।

पाठ से आगे—

प्रश्न 1. अगर आपको राजा बना दिया जाय तो आप आम-जनता के लिये क्या करना चाहेंगे?

उत्तर—प्रजातंत्र में राजा का कोई स्थान नहीं है। राजतंत्र की पद्धति करीब-करीब समाप्त हो गयी है। प्रजातंत्र में सब लोग मिलजुलकर देश और हित में कार्य करते हैं।

प्रश्न 2. केवल पाँच वर्षों के शासन काल में शेरशाह ने बहुत सारे कार्य किये। सोचकर बतायें कैसे?

उत्तर—शेरशाह को अपनी जनता के कल्याण की सदा चिन्ता रहती थी। इसके अतिरिक्त उनमें कार्य करने की लगन थी और साहस भी।

प्रश्न 3. अधिक उम्र होने के बावजूद शेरशाह ने हुमायूँ को पराजित किया- वह ऐसा कैसे कर पाया?

उत्तर—उस समय शेरशाह जवान नहीं थे। उनकी उम्र 68 वर्ष की हो गयी थी पर उनके अन्दर हिम्मत थी और साहस कूट-कूट कर भरा था। रणकौशल में वे अत्यन्त प्रवीण थे। अतः हुमायूँ की भारी सेना को भी उन्होंने पराजित कर दिया।

प्रश्न 4. ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखने के लिये आप क्या सुझाव देंगे?

उत्तर—अपने ऐतिहासिक धरोहरों पर देश की जनता को गौरव होना चाहिये। हम अपनी अज्ञानता के कारण अपने इन अमूल्य धरोहरों को सुरक्षित नहीं रख पाते और नुकसान पहुँचाते हैं। इसके लिये जनता को शिक्षित किया जाना चाहिये और उन्हें अपने दायित्वों का बोध कराना चाहिये।

इस दिशा में जनजागृति की अहम आवश्यकता है।

व्याकरण

प्रश्न 1. निम्नलिखित संज्ञाओं के प्रकार बताइए।

बादशाह, हुमायूँ, सेना, बुढ़ापा, पानी, बचपन, बच्चे, बस, सड़क, ताजमहल।

बादशाह — जातिवाचक हुमायूँ — व्यक्तिवाचक

सेना — समूहवाचक बुढ़ापा — भाववाचक

पानी — द्रव्यवाचक बचपन — भाववाचक

बच्चे — समूहवाचक बस — जातिवाचक

सड़क — जातिवाचक ताजमहल — स्थानवाचक

प्रश्न 2. निम्नलिखित सर्वनामों के प्रकार बतायें-

प्रश्नोत्तर—

यह — निश्चयवाचक सभी — पुरुषवाचक

इतने — अनिश्चयवाचक कुछ — अनिश्चयवाचक

अपने आप — निजवाचक जैसे-जैसे — संबंधवाचक

कौन — प्रश्नवाचक तुमने — पुरुषवाचक

कहाँ — प्रश्नवाचक कब — प्रश्नवाचक

